Year	Requirement (MU)	Availability (MU)	Deficit (MU)	%
1994-95 Actual	31985	30678	1307	4.1
1995-96 Anticipated	34600	31741	2859	8.3
1996-97 Estimated	37368	34315	3053	8.2
1997-98 Estimated	40357	36881	3476	8.6
1998-99 Estimated	43586	39596	3990	9.2

Advertisements given by UPSC through DAVP

40. SHRI MOHAMMED AFZAL *Alias* MEEM AFZAL: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state the number and names of Newspapers to whom advertisements of the UPSC were given through DAVP during 1994-95?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI P. M. SAYEED): During 1994-95, DAVP released UPSC advertisements to 320 newspapers. Their names are given in the annexure. [*See* Appendix 176, Annexure No. *3*]

Time Allotted to Advertisers and Sponsord of Films on Doordarshan

41. SHRI PARAG CHALIHA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether there is any fixed ratio between the total time of film telecast by the Doordarshan and that can be sold to advertiser and sponsors of a particular film;

(b) if so, the details thereof; and

(c) whether the time given to advertisers and sponsors of recently telecast films, viz. SHOLAY and TEZAB conform to this ratio?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI P.M. SAYEED) (a) and (b) No, Sir. Commercial time, including free commercial time, being dependent upon a number of factors such as the minimum guarantee offered, sharing pattern of commercial revenue, popularity of film, is different for each film telecast by Doordarshan.

(c) The commercial time in respect of these films conformed to the terms of the respective agreements entered into for their telecast by Doordarshan.

गुजरात में हथकरघा बुनकरों को ऋण

42. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों में गुजरात में वर्ष-वार विशेषकर सौराष्ट्र कच्छ क्षेत्र में सरकारी क्षेत्र के बैंकों को हथकरघा बुनकरों से कितने आवेदन-प्राप्त हुए थे और इन बैंकों द्वारा दिए गए ऋणों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या ये बैंक बुनकरों को वित्तीय मदद के एक उपाय के रूप में समय पर ऋण देते हैं;

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं; और

(घ) सरकार इस संबंध में क्या कार्रवाई करने का विचार रखती है?

वस्त्र मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी): (क) से (घ) नाबार्ड ने 1 अप्रैल, 1995 से हथकरघा क्षेत्र की पब्लिक क्षेत्र के बैंकों के माध्यम से ऋण सुविधा में बढ़ोत्तरी करने के लिए वाणिज्यक बैंकों को पुनर्वित्त देने की एक योजना तैयार की है ताकि वे प्राथमिक हथकरघा बुनकर सहकारी समितियों की कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें। हथकरघा बुनकरों और बुनकर सहकारी समितियों से प्राप्त प्रार्थना पत्रों की संख्या और उनको दिये गये ऋण के संबंध में बैंक स्तर पर जानकारी रखी जाती है। नाबार्ड के समूचे क्रेडिट पूलों

में वृद्धि हुई है जिसका प्रमाण यह है कि वर्ष 1991-92 के दौरान यह 447.49 करोड़ रुपये था जो वर्ष 1994-95 में बढ़कर 633.34 करोड़ रुपये हो गया। हथकरघा क्षेत्र में क्रेडिट के स्तर को और बढ़ाने के लिए सरकार सभी संभव प्रयत्न कर रही है।

Govt. Programme of Public Borrowing

43. DR. BAPU KALDATE:
SHRI KRISHAN LAL SHARMA:

Will the Minister of FINANCE be pleased be state:

(a) whether it is a fact that Government's programme of public borrowing has proved a failure for the third time when the public issue of Rs. 2,000 crore received only 52% subscription; and

(b) if so, the reasons for this failure?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (DR. DEBI-PROSAD PAL): (a) and (b) There was no failure of Government's public borrowing programme. The last three issue of Central Government' loans (with notified amount of Rs. 2,000 crore each) were not fully subscribed by the public resulting in development on Reserve Bank of India. The total amount subscribed by the public was Rs. 3066.85 crore and the aggregate amount devolving on Reserve Bank was Rs. 2933.15 crore. The share of subscription received from public in respect of the loans is 51 per cent and the share of subscription by Reserve Bank is 49 per cent. The response from public was lower mainly due to tight money market conditions and increase in commercial banks' non-food credit by about Rs. 48,000 crore during the current financial year up to Junuary 19, 1996, over that of last year.

विदेशी मुद्राओं की तुलना में रुपए के मूल्य में गिरावट

44. **श्री एस० एस० सुरजेवाला:**
श्री राघवजी:
श्री वी० नारायणसामी:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उन विदेशी मुद्राओं के नाम क्या हैं जिनकी तुलना में रुपए के मूल्य में इस समय उसके 31 मार्च, 1995 के मूल्य की तुलना में, गिरावट आई है और यह गिरावट मुद्रा-वार कितनी-कितनी है;

(ख) रुपए के मूल्य में आई इस गिरावट के क्या कारण हैं और भारत की अर्थव्यवस्था पर इसका क्या प्रभाव पड़ा है; और

(ग) रुपए के मूल्य में गिरावट को रोकने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं; यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० देबी प्रसाद पाल): (क) अमरीकी डालर, पौंड स्टर्लिंग, ड्यूश मार्क (डी एम) और फ्रांसीसी फ्रांक की 31 मार्च, 1995 की दरों की तुलना में 23 फरवरी, 1996 की स्थिति के अनुसार रुपए में अवमूल्यन हुआ है। इन करेंसियों की तुलना में रुपए के अवमूल्यन का विवरण नीचे दिया गया है:—

तारीख	प्रति विदेशी मुद्रा की तुलना में रुपए की विनिमय दर			
	अमरीकी डालर	पौंड स्टर्लिंग	ड्यूश मार्क	फ्रांसीसी फ्रांक
31 मार्च, 95	31.495	50.565	22.300	6.412
23 फरवरी, 96	36.560	56.458	25.269	7.338
रुपए का अवमूल्यन (-) (प्रतिशत)	-13.85	-10.44	-11.75	-12.62